Title: Need to take steps for channelisation of water of Swan river and its tributaries in Himachal Pradesh.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर) (हि.प्र.): महोदय, हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी एंव पिछड़ा प्रांत है। वहां खेती योग्य जमीन बहुत कम है और जहां खेती योग्य जमीन है वहां सिंचाई का कोई साधन नहीं होने के कारण वहां के किसान भगवान भरोसे रहते हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर के जिला ऊना में हर साल भारी वर्षा और बाढ़ के कारण बहुत नुकसान होता है। ऊना जिले में बहने वाली स्वां नदी और इससे निकलने वाली ७३ ट्रिब्यूटरीज का यदि चैनेलाइजेशन कर दिया जाए तो ऊना जिले में प्रति वर्ष बाढ़ से ३०० करोड़ रुपये की फसलों की जो हानि होती है उससे बचा जा सकता है और हि.प्र. का अकेला ऊना जिला इतना अन्नत्पादन कर सकता है कि वह न केवल हि.प्र. की आन्न की आवश्यकता को पूरा कर सकेगा अपितु अन्य प्रदेशों को भी वहां से अन्न उपलब्ध कराया जा सकेगा।

स्वां नदी का चैनेलाइजेशन किया जाना न केवल प्रदेश के बल्कि राष्ट्र के हित में होगा। प्रदेश सरकार ने अपने सीमित साधनों से जो प्रयास किया है वह नाकाफी है। इसलिए मेरा भारत सरकार के जल संसाधन मंत्री महोदय से अनुरोध है कि वह हि.प्र. के ऊना जिले में बहने वाली स्वां नदी एवं इससे निकलने वाली ७३ नहरों के नहरीकरण की विशेष योजना बनाए और इस हेतु प्रदेश सरकार को विशेष आर्थिक सहायता देने के लिए इसी वित्तीय वर्ष में पर्याप्त धनराशि का प्रावधान करे ताकि ऊना जिले में खेती के लिए सिंचाई का उत्तम प्रबंध हो सके और प्रदेश अन्नेत्पादन के मामले में न केवल आत्मनिर्भर हो बल्कि अपनी आवश्यकता से अधिक पैदा किए अन्न को पड़ोसी राज्यों को भेज सके।